HT PAGE 3

Prof Dhruv Sen Singh of Lucknow University. SOURCED

LU prof awarded

LUCKNOW : Prof Dhruv Sen Singh of Lucknow University received the National Geoscience Awards (NGA) for the year 2019 in an award presentation ceremony at Dr Ambedkar International Centre, New Delhi on Tuesday. Home Minister Amit Shah, minister of mines, Prahlad Joshi conferred this award to the scientists from different parts of the country in diversified areas of geosciences such as coal, oil, gas, mineral, groundwater, geo-environment, etc for their outstanding contributions to the field of geosciences. Dhruv Sen Singh received the highest award in the field of earth sciences "National Geoscience Award" for geoenvironmental studies.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पसंद का चुनें कॅरिअर, जरूर मिलेगी सफलता

पोस्टर लॉन्च करते डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक। साथ में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में उपमुख्यमंत्री का छात्रों को सुझाव

लखनऊ। आप अपनी पसंद का कॅरिअर और रास्ता चुनें। अभिभावकों, दोस्तों या पड़ोसी की सलाह पर नहीं। इससे सफलता जरूर कदम चूमेगी। किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए कई रास्ते होते हैं, पर सही रास्ता हमें खुद चुनना होता है। युवा पहले अपना मूल्यांकन करें, फिर लक्ष्य तय करें। कड़ी मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलेगी। जब तक किसी भी टॉपिक का कॉन्सेप्ट क्लियर न हो, शिक्षक से बार-बार पूछें। याद करने की अपेक्षा अभ्यास पर जोर दें।

विद्यार्थियों को यह सुझाव दिया उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। अपने छात्र जीवन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एमएसडब्ल्यू में प्रवेश यानी नौकरी पक्की मानी जाती थी। पूर्व शिक्षकों को याद करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के प्रति समर्पित होते हैं। वे समाज को एक नया रूप देते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी अध्यक्ष नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि यह 50 वर्ष समाज कार्य विभाग के कार्यों को मूल्यांकित करने का समय है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यूं ही कोई संस्था 50 साल नहीं पूरा करती है। यानी उसकी आत्मा जीवित है। छात्र और शिक्षकों दोनों की जिम्मेदारी है कि इसे आगे बढ़ाएं। इससे पहले विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष के लोगो का अनावरण भी किया।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया : कार्यक्रम को देखते हुए सुबह से ही कैंपस में पुलिस-पीएसी के जवान तैनात थे। कार्यक्रम शुरू होने के 15 मिनट पहले एनएसयूआई के कार्यकर्ता सेंट्रल लाइब्रेरी से निकलकर समाज कार्य विभाग के पास खड़े बात कर रहे थे। आरोप है कि प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी पहुंचे और खड़े होने का कारण पूछा। इसके बाद पुलिस बुलाकर उन्हें हिरासत में भेज दिया, जहां से दो घंटे बाद छोड़ा गया। इसमें विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश, सदफ तसनीम, उत्कर्ष मिश्रा आदि शामिल थे।

प्रो. ध्रुव को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान के प्रो. ध्रुवसेन सिंह को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार से मंगलवार को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, खनन मंत्री प्रहलाद जोशी ने देश के विभिन्न हिस्सों के वैज्ञानिकों को पुरस्कार प्रदान किया। प्रो. ध्रुव सेन सिंह को भू-पर्यावरण व पुरा जलवायु अध्ययन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और उत्कृष्ट योगदान के लिए केंद्र के भूविज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

वीसी ने न्यू कैंपस में देखी नैक की तैयारियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक पियर टीम के प्रस्तावित भ्रमण के मद्देनजर मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने न्यू कैंपस की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधि संकाय, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और इंजीनियरिंग फैकल्टी का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

प्रो. ध्रुवसेन को राष्ट्रीय भू विज्ञान पुरस्कार

■ एनबीटी, लखनऊः नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार को आयोजित समारोह में एलयू के प्रो. ध्रुवसेन सिंह को राष्ट्रीय भू विज्ञान पुरस्कार से नवाजा गया। गृहमंत्री अमित शाह और कोयला एवं खनन मंत्री प्रहलाद जोशी ने भूविज्ञान के अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम के लिए उन्हें सम्मानित किया। प्रो. सिंह के अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 78 शोध पत्र, सम्मेलनों में 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत व प्रकाशित हो चुके हैं।

i-NEXT PAGE 4

कुलपति ने देखीं नैक की तैयारियां

LUCKNOW (12 July): लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जानकीपुरम स्थित नए परिसर के विभिन्न संकाय एवं संस्थानों का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं. शिक्षकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाएं और बेहतर करने, उपलब्धियों को डिस्प्ले करने के भी निर्देश दिए. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सुबह 10 बजे निरीक्षण करने निकले. उन्होंने द्वितीय परिसर में स्थित विधि संकाय, इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज और इंजीनियरिंग फैकेल्टी का निरीक्षण किया. इस दौरान कुलपति ने विधि संकाय में नैक टीम के निरीक्षण के समय किए जाने वाले प्रजेंटेशन को देखा. सुझाव दिया कि अपने उन छात्र-छात्राओं को प्रमुखता से स्थान दिया जाए जिन्होंने समाज में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है. यहां से कुलपति अभियांत्रिकी संकाय में विभिन्न लैब और पुस्तकालय का निरीक्षण करने भी गए. उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को नैक प्रजेंटेशन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए. कहा कि अपने संस्थान व विभाग की अच्छी से अच्छी चीजों को जरूर दिखाएं.

एलयू ने परीक्षाओं की तारीखें बढ़ाईं

एलयू ने परीक्षाओं का नया कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (12 July): विभागों में कोर्स पूरा न होने की शिकायतों और स्टूडेंट्स के विरोध को देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने परीक्षाओं का कार्यक्रम बदल दिया है. अब परीक्षाएं 29 जुलाई से होंगी. लखनऊ यूनिवर्सिटी ने परीक्षाओं का नया कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया. लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पहले 18 जुलाई से परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया था. इसके बाद कई स्टूडेंट्स ने शिकायत की कि उनका कोर्स अभी पूरा नहीं हुआ है. ऐसे में परीक्षाओं की डेट बढ़ाई जाए. कई स्टूडेंट्स ने ट्विटर पर भी शिकायतें कीं. इसे लखनऊ यूनिवर्सिटी ने गंभीरता से लिया. तीन दिन पहले परीक्षा नियंत्रक ने इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की थी. बैठक में पढ़ाई पर बात हुई. इसमें कई विभागाध्यक्षों ने कोर्स पूरा न होने की बात स्वीकारी भी थी. इसके बाद बैठक में परीक्षा तिथि बढ़ाने पर फैसला हो गया था. इस पर मंगलवार को कुलपति ने अपनी स्वीकृति दे दी.

परीक्षाफल किया गया घोषित

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने दिसंबर 2021-22 के नियमित एवं बैक पेपर का परीक्षाफल मंगलवार को घोषित कर दिया गया है. परीक्षाफल लखनऊ यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर देखा जा सकता है.

यह है नया कार्यक्रम

- बीए सेमेस्टर-4 सांख्यिकी, गणित एवं एंथ्रोपोलॉजीद्ध की परीक्षाएं 10 अगस्त से 03 सितंबर तक दूसरी पाली में होंगी.
- बीए सेमेस्टर-6 सांख्यिकी, गणित एवं एंथ्रोपोलॉजी की परीक्षाएं 27 जुलाई से 06 सितंबर तक पहली पाली में होंगी.
- बीएससी सेमेस्टर-4 बीए-4 सेमेस्टर, सांख्यिकी, गणित एवं एंथ्रोपोलॉजी की परीक्षाएं 10 से 31 अगस्त तक दूसरी पाली में होंगी.
- बीएससी सेमेस्टर-6 बीए-6 सांख्यिकी गणित एवं एंथ्रोपोलॉजी की परीक्षाएं 29 जुलाई से 30 अगस्त तक पहली पाली में होंगी.
- बीकॉम सेमेस्टर-4 की परीक्षाएं 08 से 24 अगस्त तक दूसरी पाली में होंगी.
- बीकॉम सेमेस्टर-6 की परीक्षाएं 30 जुलाई से 17 अगस्त तक पहली पाली में होंगी.

JAGRAN CITY PAGE I

लखनऊ विश्वविद्यालय : एजुकेशन में सर्वाधिक 158 पीएचडी सीटें

आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने शैक्षिक सत्र 2021-22 के रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन फार्म मंगलवार को जारी कर दिए। विश्वविद्यालय ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है। ऐसे में कालेजों को मिलाकर कुल 1,296 सीटें तय की गई हैं। सबसे ज्यादा एजुकेशन विषय में 158 और इंग्लिश में 103 सीटें रेगुलर पीएचडी के लिए हैं। अभ्यर्थी विषयवार सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी में वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने शैक्षिक सत्र 2020-21 व 2021-22 में परास्नातक पास किया हो। दाखिले के लिए 37 विषयों में रेगुलर पीएचडी के लिए 1,246 सीटें हैं।

24 विषयों में पार्ट टाइम की एक भी सीट नहीं : लविवि ने पिछले सत्र से पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी की शुरुआत की थी। इस बार इकोनामिक्स, फ्रेंच, डिफेंस स्टडीज, हिन्दी, होम साइंस सहित 24 ऐसे विषय हैं, जिनमें एक भी सीटें नहीं मिल पाईं। सिर्फ 13 विषय में कुल 46 सीटों पर प्रवेश का मौका रहेगा।

रेगुलर पीएचडी की सीटें : एंशियन इंडियन हिस्ट्री एवं आर्कियोलाजी रेगुलर -17, डिफेंस स्टडीज- एक, इकोनामिक्स- 33, इंग्लिश-103, फ्रेंच-एक, जाग्रफी-19, हिन्दी 74, होम साइंस 14, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन दो, लिंग्विस्टिक दो, मेडिविअल एंड मार्डन हिस्ट्री 49, ओरिंटल संस्कृत, पर्शियन चार, फिलासफी 10, फिजिकल एजुकेशन 55, पालिटिकल साइंस 46, साइकोलाजी 10, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन 10, संस्कृत 48, सोशल वर्क आठ, सोशियोलाजी 71, उर्दू 14, वेस्टर्न हिस्ट्री 25, स्टैटिस्टिक्स 15, मैथमेटिक्स आठ, एंथ्रोपोलोजी 13, एप्लाइड इकोनामिक्स 25, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन 20, कामर्स 64, एजुकेशन 158, ला 57, बायोकेमिस्ट्री पांच, केमिस्ट्री 52, जियोलाजी सात, फिजिक्स 98, बाटनी 16, जुलाजी 89।

पार्ट टाइम पीएचडी सीटें : इंग्लिश सात, पर्शियन एक, फिजियोलाजी एक, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन दो, सोशल वर्क एक, वेस्टर्न हिस्ट्री दो, एप्लाइड इकोनामिक्स छह, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पांच, कामर्स दो, ला चार, जियोलाजी तीन, फिजिक्स सात, बाटनी में पांच सीटें।

ये भी जरूरी निर्देश :

- ओबीसी वर्ग (नान क्रीमी लेयर) के अभ्यर्थियों को 15 जुलाई 2019 के बाद का ओबीसी प्रमाण पत्र काउंसलिंग के समय देना होगा।
- आय प्रमाण पत्र एक जनवरी 2022 के बाद का मान्य होगा जो कि सरकारी वेबसाइट से सत्यापित कराया जाएगा।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अंतर्गत तय सीटों पर आवेदन के समय ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

चिकित्सा क्षेत्र में एमएसडब्ल्यू का किया जाएगा उपयोग : ब्रजेश पाठक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में उपमुख्यमंत्री व चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाज कार्य का क्षेत्र बढ़ रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में मास्टर आफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव मांगा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर क्षेत्र में अवसर बढ़ेंगे। इसके लिए छात्रों को खुद को तैयार करना होगा।

विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में उप मुख्यमंत्री ने यहां अध्ययन के दिनों की यादों को भी साझा किया। विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र भी बताया। कहा कि शार्टकट से सफलता नहीं मिलती। जो भी मन करे, उसी रास्ते पर चलकर अपनी मंजिल प्राप्त करने की कोशिश करें। शिक्षक जो भी पढ़ाएं, उसे ध्यानपूर्वक पढ़ें, फिर सफल होने से उन्हें कोई नहीं रोक पाएगा। समारोह में आनलाइन जुड़े नेशनल एसोसिएशन आफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के अध्यक्ष राम प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि 50 साल में समाज कार्य विभाग ने समाज को क्या दिया है, इसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए। आज समय के हिसाब से समाज कार्य के पाठ्यक्रम में क्या बदलाव हो सकता है। उसके विषय में सोचना होगा। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों की वजह से विभाग ने 50 साल पूरे किए, यह गर्व की बात है। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राज कुमार सिंह ने बताया कि 50 साल पहले 12 जुलाई 1972 को समाज कार्य विभाग स्वतंत्र विभाग के रूप में आया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कहा कि स्वर्ण जयंती समारोह के तहत पूरे साल कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। विभाग के शिक्षक प्रो. डीके सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। संचालन डा. शिखा सिंह ने किया। समारोह में स्वर्ण जयंती वर्ष के लोगो का अनावरण किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष कार्यक्रम में लोगो लांच करते उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कुलपति आलोक कुमार राय ● जागरण

सबसे पहले हिंदी में लिखीं पुस्तकें : विभाग के शिक्षकों ने बताया कि समाज कार्य विभाग से 437 छात्रों ने पीएचडी पूरी की। देश में सबसे पहले समाज कार्य में पीएचडी और मास्टर डिग्री देने के लिए इस विश्वविद्यालय को जाना जाता है। जब समाज कार्य पाठ्यक्रम में हिंदी की पाठ्य पुस्तकें नहीं थीं, तो सबसे पहले यहीं के शिक्षकों ने हिंदी में किताबें लिखीं।

29 से होंगी स्नातक छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आखिरकार स्नातक चौथे और छठे सेमेस्टर की परीक्षाओं के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए तिथि आगे बढ़ा दी है। अब 29 जुलाई से परीक्षाएं शुरू होकर छह सितंबर तक होंगी। मंगलवार को विश्वविद्यालय ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसका परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

लवि ने पहले 18 जुलाई से परीक्षा कार्यक्रम जारी किया था। लेकिन छात्र-छात्राओं ने 50 फीसद कोर्स न पूरा होने की वजह से विरोध शुरू कर दिया था।

छात्र परीक्षाओं की तिथि बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे। इसको लेकर छात्र संगठनों ने भी ज्ञापन सौंपा था। दैनिक जागरण ने आठ और नौ जुलाई के अंक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। मंगलवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा तिथि बढ़ाते हुए संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया।

जागरण प्रभाव

जागरण में प्रकाशित खबर

ये है संशोधित परीक्षा कार्यक्रम

बीएससी छठे सेमेस्टर-29 जुलाई से 30 अगस्त-सुबह 9 से 10.30 बजे

बीएससी चौथे सेमेस्टर-10 से 31 अगस्त-दोपहर 2 से 3.30 बजे

बीकाम चौथे सेमेस्टर- आठ से 24 अगस्त-दोपहर दो से 3.30 बजे

बीकाम छठे सेमेस्टर-30 जुलाई से 17 अगस्त तक-सुबह 9 से 10.30 बजे

बीए चौथे सेमेस्टर-10 अगस्त से तीन सितंबर तक-दोपहर दो से 3.30 बजे

बीए छठे सेमेस्टर-29 जुलाई से छह सितंबर तक। सुबह नौ से 10.30 बजे

एजुकेशन में सर्वाधिक 158 पीएचडी सीटें

पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका

LUCKNOW (12 July): लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) ने शैक्षिक सत्र 2021-22 के रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन फार्म मंगलवार को जारी कर दिए. विश्वविद्यालय ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है. ऐसे में कालेजों को मिलाकर कुल 1,296 सीटें तय की गई हैं. सबसे ज्यादा एजुकेशन विषय में 158 और इंग्लिश में 103 सीटें रेगुलर पीएचडी के लिए हैं. अभ्यर्थी विषयवार सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं.

ये भी जरूरी निर्देश

- ओबीसी वर्ग (नान क्रीमी लेयर) के अभ्यर्थियों को 15 जुलाई 2019 के बाद का ओबीसी प्रमाण पत्र काउंसलिंग के समय देना होगा.
- आय प्रमाण पत्र एक जनवरी 2022 के बाद का मान्य होगा जो कि सरकारी वेबसाइट से सत्यापित कराया जाएगा.
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अंतर्गत तय सीटों पर आवेदन के समय ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा.

37 हैं सब्जेक्ट

विश्वविद्यलय के प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी में वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने शैक्षिक सत्र 2020-21 व 2021-22 में परास्नातक पास किया हो. दाखिले के लिए 37 विषयों में रेगुलर पीएचडी के लिए 1,246 सीटें हैं.

24 में पार्ट टाइम की एक भी सीट नहीं

एलयू ने पिछले सत्र से पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी की शुरुआत की थी. इस बार इकोनामिक्स, फ्रेंच, डिफेंस स्टडीज, हिन्दी, होम साइंस सहित 24 ऐसे विषय हैं, जिनमें एक भी सीटें नहीं मिल पाईं. सिर्फ 13 विषय में कुल 46 सीटों पर प्रवेश का मौका रहेगा.

रेगुलर पीएचडी की सीटें

एंशियन इंडियन हिस्ट्री एवं आर्कियोलाजी रेगुलर -17, डिफेंस स्टडीज- एक, इकोनामिक्स- 33, इंग्लिश-103, फ्रेंच-एक, जाग्रफी-19, हिन्दी 74, होम साइंस 14, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन दो, लिंग्विस्टिक दो, मेडिविअल एंड मार्डन हिस्ट्री 49, ओरिंटल संस्कृत, पर्शियन चार, फिलासफी 10, फिजिकल एजुकेशन 55, पालिटिकल साइंस 46, साइकोलाजी 10, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन 10, संस्कृत 48, सोशल वर्क आठ, सोशियोलाजी 71, उर्दू 14, वेस्टर्न हिस्ट्री 25, स्टैटिस्टिक्स 15, मैथमेटिक्स आठ, एंथ्रोपोलोजी 13, एप्लाइड इकोनामिक्स 25, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन 20, कामर्स 64, एजुकेशन 158, ला 57, बायोकेमिस्ट्री पांच, केमिस्ट्री 52, जियोलाजी सात, फिजिक्स 98, बाटनी 16, जुलाजी 89.

पार्ट टाइम पीएचडी सीटें

इंग्लिश सात, पर्शियन एक, फिजियोलाजी एक, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन दो, सोशल वर्क एक, वेस्टर्न हिस्ट्री दो, एप्लाइड इकोनामिक्स छह, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पांच, कामर्स दो, ला चार, जियोलाजी तीन, फिजिक्स सात, बाटनी में पांच सीटें.

प्रो. ध्रुव सेन सिंह को राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार

राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार ग्रहण करते प्रो. ध्रुव सेन सिंह ● सौ. स्वयं

लखनऊ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं भू-विज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह को मंगलवार को डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भू-पर्यावरण एवं पुराजल वायु अध्ययन के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए खान मंत्री प्रहलाद जोशी ने दिया है। इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहे। भारत के प्रथम एवं द्वितीय आर्किटेक्ट (उत्तरी ध्रुव क्षेत्र) अभियान दल 2007 व 2008 के सदस्य रह चुके प्रो. ध्रुव सेन को राज्य सरकार की ओर से विज्ञान रत्न, शिक्षक श्री और सरस्वती सम्मान भी मिल चुका है। भू-पर्यावरण अध्ययन के लिए पुरावातावरण, जलवायु और मानसून परिवर्तन शीलता के क्षेत्र में नदियों, ग्लेश्यिरों और झीलों पर काफी शोध किए हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीयपत्रिकाओं में उनके 78 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

'अध्ययन के बाद स्वरोजगार करें विद्यार्थी'

कालीचरण पीजी कालेज के वाणिज्य विभाग की ओर से मंगलवार को उद्यमिता एवं स्वरोजगार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन विभाग के डा. जैनेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि उद्यमिता समय की आवश्यकता है। व्यवसाय में जल्दी प्रवेश करने से उसमें सफलता की संभावना बढ़ सकती है। यहां तक कि सरकार भी नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत उत्साहजनक और सहायक है। प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अध्ययन के बाद स्वरोजगार अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रश्मि मिश्रा, डा. डीसीडीआर पांडे, डा. शिव कुमार सहित अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति ने द्वितीय परिसर में देखीं नैक की तैयारियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जानकीपुरम स्थित नए परिसर के विभिन्न संकाय एवं संस्थानों का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं। शिक्षकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाएं और बेहतर करने, उपलब्धियों को डिस्प्ले करने के भी निर्देश दिए।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सुबह 10 बजे निरीक्षण करने निकले। उन्होंने द्वितीय परिसर में स्थित विधि संकाय, इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज और इंजीनियरिंग फैकेल्टी का निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति ने विधि संकाय में नैक टीम के निरीक्षण के समय किए जाने वाले प्रजेंटेशन को देखा। सुझाव दिया कि अपने उन छात्र-छात्राओं को प्रमुखता से स्थान दिया जाए जिन्होंने समाज में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। यहां से कुलपति अभियांत्रिकी संकाय में विभिन्न लैब और पुस्तकालय का निरीक्षण करने भी गए। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को नैक प्रजेंटेशन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। कहा कि अपने संस्थान व विभाग की अच्छी से अच्छी चीजों को जरूर दिखाएं।

वाल आफ फेम में छाए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी : लखनऊ विश्वविद्यालय में कभी आम छात्र-छात्रा की तरह पढ़ाई करने वाले कई ऐसे विद्यार्थी रहे हैं जो आज समाज की बुलंदियों पर हैं। कोई मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री तो कोई आइएएस-पीसीएस से लेकर वैज्ञानिक तक हैं। विभागों ने अपने यहां 'वाल आफ फेम' में ऐसे बहुत से नगीनों का ब्योरा डिस्प्ले किया है। नैक मूल्यांकन के लिए आने वाली टीम विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के तहत इनके बारे में भी जानेगी।

लविवि में नैक मूल्यांकन के लिए 21, 22 व 23 जुलाई को टीम भ्रमण करेगी। विश्वविद्यालय को बेहतर ग्रेड मिले, इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व उनकी टीम तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटी है। कुलपति के निर्देश पर सभी विभागों ने 'वाल आफ फेम' तैयार किया है। इसमें अपने ऐसे विद्यार्थियों के बारे में बताना है जो समाज में ऊंचे शिखर पर हैं।

इन्होंने किया डिस्प्ले : भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, मनोविज्ञान, पत्रकारिता सहित कई विभागों ने वाल आफ फेम का डिस्प्ले कर दिया है। भौतिक विज्ञान विभाग ने अपनी पूर्व छात्रा रितु करिघल को वाल आफ फेम में प्रमुखता दी है। रितु डिप्टी डायरेक्टर मंगलयान व डिप्टी डायरेक्टर चंद्रयान-2 रही हैं। इसमें फारेंसिक डिपार्टमेंट के वैज्ञानिक राजीव रंजन, आइएएस दिनेश कुमार सिंह, आइएफएस सुभाष आशुतोष सहित कई नाम हैं। केमिस्ट्री विभाग ने प्रमुख रूप से 45 और पत्रकारिता विभाग ने 46 एल्युमिनाई को वाल आफ फेम में जगह दी है। व्यापार प्रशासन विभाग में भी वाल आफ फेम तैयार है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को द्वितीय परिसर में निरीक्षण कर नैक मूल्यांकन की तैयारियां देखी ● सौजन्य से लवि

एलएलबी सहित आठ कोर्स के परिणाम जारी

लवि ने मंगलवार शाम को आठ कोर्स के परिणाम जारी कर दिए। इनमें एमएससी माइक्रोबायोलाजी तृतीय सेमेस्टर, एमए पालीटिकल साइंस तृतीय सेमेस्टर, एमकाम एप्लाइड इकोनामिक्स प्रथम सेमेस्टर, बीलिबआइएससी प्रथम सेमेस्टर, एमएससी फिजिक्स तृतीय सेमेस्टर, एमए जर्नलिज्म एंड मास कंयुनिकेशन प्रथम, एलएलबी इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय 10वें सेमेस्टर व एलएलएम प्रथम सेमेस्टर के परिणाम शामिल है। छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं।

विद्यार्थियों की समस्याओं का हो तुरंत समाधान

डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति ने मंगलवार को कई विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में डिग्री करेक्शन कराने के लिए भटक रहे विद्यार्थियों की समस्याओं को जाना। कर्मचारियों और अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि विद्यार्थियों की समस्या का तुरंत समाधान कराएं। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई रखने के लिए कहा। कर्मचारियों को समय से कार्यालय आने के भी निर्देश दिए। कुलपति ने वित्त विभाग, परीक्षा विभाग सहित अन्य विभागों का भी निरीक्षण किया।

PIONEER PAGE 2

भविष्य वही चुनें जो आपका मन करे: पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक मंगलवार को मेंटर की भूमिका में नजर आये। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करने हुए कहा कि वह स्वयं भी विश्वविद्यालय के छात्र रहें हैं और आज इस स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आना उनके लिए गर्व की बात है। समाज कार्य विभाग सदैव ही प्रेरणादायक कार्य करता रहा है जिससे छात्रों को सदैव सफलता के अनेकों अवसर प्राप्त होते रहे हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि अपना भविष्य आप वही चुनें जो आपका स्वयं का मन करे ना की लोगों और आपके संबंधियो द्वारा बताया जाए। समाजकार्य विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि समाज कार्य विभाग द्वारा 50 वर्ष पूर्ण किए गए। यहां बैठे विद्यार्थी एवं शिक्षक गण सभी इस विश्वविद्यालय की आत्मा है और इन दोनों की बिना ही समाज कार्य संभव नहीं। एक व्यक्ति को अपने जीवन में बार-बार कुछ न कुछ खोज करते रहना चाहिए, जिससे कि उनके जीवन में नए उत्साह का स्वागत हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से 48 कॉलेजों में वेंडिंग मशीन लगाई गई है। जिसमें विद्यार्थीयों को माहवारी सम्बंधित जानकारी दी गई एवं इस मशीन को कैसे प्रयोग किया जाए, इसकी भी शिक्षा दी जाती है। कार्यक्रम